प्रात:किरण

Knee
Replacement expert

घुटनों के दर्द को नजरअंदाज न करें, समय पर जांच और इलाज जरूरी: डॉ. ईश्वर बोहरा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। घुटनों से जुड़ी समस्याओं को लेकर सोमवार को एक जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया और विशेषज्ञ डॉक्टरों से घुटनों के दर्द, चलने-फिरने में परेशानी और अन्य समस्याओं को लेकर परामर्श लिया। विशेषज्ञों ने बताया कि आधुनिक चिकित्सा तकनीकों के चलते अब घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित और प्रभावी हो गई है। शिविर में मौजूद बीएलके-मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के नी एवं हिप रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. ईश्वर बोहरा ने लोगों को घुटनों के दर्द को नजरअंदाज नहीं करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि लगातार रहने वाले दर्द या चलने-फिरने में परेशानी होने पर समय रहते जांच कराना जरूरी

है। शुरूआती स्तर पर समस्या की पहचान और उचित उपचार से आगे होने वाली जटिलताओं से बचा जा सकता है। डॉ. बोहरा ने बताया कि डे-केयर नी रिप्लेसमेंट तकनीक ने घुटना प्रत्यारोपण के बाद मरीजों की रिकवरी को काफी आसान बनाया है। इस तकनीक में मरीज को सर्जरी के कुछ ही घंटों बाद चलने-फिरने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। कई मामलों में मरीज को उसी दिन या अगले दिन अस्पताल से छुट्टी भी दी जा सकती है। इससे लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहने की जरूरत कम होती है। उन्होंने बताया कि आधुनिक तकनीकों, छोटे चीरे, कम रक्तस्राव और बेहतर दर्द नियंत्रण के कारण मरीज तेजी से रिकवरी कर सकते हैं। साथ ही अस्पताल में लंबे समय तक रहने की अवधि कम होने से संक्रमण सहित अन्य जटिलताओं का जोखिम भी घट सकता है। हालांकि, डॉ. बोहरा के अनुसार डे-केयर नी रिप्लेसमेंट हर मरीज के लिए उपयुक्त नहीं है। सर्जरी से पहले मरीज की उम्र, स्वास्थ्य स्थिति, अन्य बीमारियों और घुटने की समस्या की गंभीरता का विस्तृत आकलन किया जाता है। जांच के बाद ही यह तय किया जाता है कि मरीज के लिए यह प्रक्रिया सुरक्षित और उपयुक्त है या नहीं।

Dr. Ishwar Bohra
Senior Director & Senior Joint Replacement Surgeon
BLK-Max Super Speciality Hospital, New Delhi